नौकरी मेरे श्याम की | By Shailja Singh Kapoor

जय श्री श्याम.....जय श्री श्याम
जय श्री श्याम.....जय श्री श्याम

मेरी नौकरी मेरे श्याम के सहारे
तुम्हारी दया से चलते घर के खर्च सारे
मेरी नौकरी मेरे श्याम के सहारे

ज़िन्दगी को बेच दू पर क़र्ज़ न ये उतरे
पलकें बिछा दू श्याम जिधर से भी गुज़रे
तुम्हारा दिया हम खाते क़र्ज़ क्या उतारे
मेरी नौकरी मेरे श्याम के सहारे

तुम्हारी शरण जो पाई भाग्य खुल गए हैं
चरणों की धूलि से हर पाप धूल गए हैं
अब तो हर समय तेरे नाम से गुज़ारे
मेरी नौकरी मेरे श्याम के सहारे

हारा ना होता तो मैं कैसे तुम्हे पाता
सुरीले बताओ कैसे घर को चलाता
दया जो ना करते तो हम फिरते मारे मारे
मेरी नौकरी मेरे श्याम के सहारे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a5%8c%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-shailja-singh-kapoor/